

Daily करेंट अफेयर्स

➤ 17 जुलाई 2025



NATIONAL AFFAIRS

1. सिक्किम के याकटेन गांव को 'नोमैड सिक्किम' पहल के तहत भारत का पहला डिजिटल नोमैड गांव घोषित किया गया।



जुलाई 2025 के मध्य में, सिक्किम के पाकयोंग ज़िले में स्थित छोटे से हिमालयी गाँव याकटेन को राज्य सरकार की नोमैड सिक्किम पहल के तहत औपचारिक रूप से भारत का पहला डिजिटल नोमैड विलेज घोषित किया गया। विश्वसनीय हाई-स्पीड इंटरनेट, निर्बाध पावर बैकअप और आधुनिक होमस्टे के साथ, याकटेन अब प्रकृति के बीच कार्य-जीवन संतुलन चाहने वाले पेशेवरों का स्वागत करता है।

● यह पहल पाकयोंग जिला प्रशासन और गैर-सरकारी संगठन सर्वहितेय के बीच एक सहयोग है, जो मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग के "एक परिवार, एक उद्यमी" के दृष्टिकोण के अनुरूप है। इसका आधिकारिक शुभारंभ 14-15 जुलाई, 2025 को हुआ, जिसमें विधायक पामिना लेप्चा और जिला कलेक्टर रोहन रमेश सहित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिससे ग्रामीण डिजिटल सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ।

● याकटेन को आवश्यक बुनियादी ढाँचे के उन्नयन के माध्यम से रूपांतरित किया गया है: दोहरी ब्रॉडबैंड इंटरनेट लाइनें (इन्वर्टर के माध्यम से बैकअप के साथ), गाँव-व्यापी वाई-फ़ाई कवरेज, और विश्वसनीय बिजली आपूर्ति। ये सुधार पहाड़ी

इलाकों में भूस्खलन और भारी वर्षा के कारण बार-बार ऑप्टिकल फाइबर कटने की चुनौतियों का समाधान करते हैं। स्थानीय होमस्टे अब काम के अनुकूल सुविधाएँ प्रदान करते हैं और आस-पास के कस्बों और पाकयोंग हवाई अड्डे से निर्बाध कनेक्टिविटी के लिए परिवहन गठजोड़ की व्यवस्था की गई है।

Key Points:-

(i) साल भर दूरस्थ पेशेवरों की मेज़बानी के लिए डिज़ाइन किए गए, याकटेन में अब आठ डिजिटल-नोमैड-रेडी होमस्टे हैं जो समर्पित कार्यस्थल, एर्गोनॉमिक डेस्क, गर्म पानी और सामुदायिक भोजन प्रदान करते हैं। बेंगलुरु और मुंबई जैसे शहरों और यहाँ तक कि विदेशों से भी डिजिटल नोमैड यहाँ रहने लगे हैं, क्योंकि यहाँ की किफ़ायती कीमत, शांत वातावरण और झंडी दरा व्यूपॉइंट, कंचनजंगा के नज़ारे और आर्किड घास के मैदानों जैसे प्राकृतिक क्षेत्रों से निकटता उन्हें आकर्षित करती है।

(ii) इस पहल का उद्देश्य न केवल मनोरम कार्यस्थल उपलब्ध कराना है, बल्कि होमस्टे से होने वाली आय को पर्यटन के चरम मौसम के बाद भी बढ़ाकर ग्रामीण आय को स्थिर करना भी है। जिला कलेक्टर के अनुसार, इस योजना से स्थानीय आय में पाँच गुना तक की वृद्धि हो सकती है, आर्थिक मौसमी प्रभाव कम हो सकता है, और सांस्कृतिक एवं पारिस्थितिक अखंडता को संरक्षित करते हुए स्थायी ग्रामीण रोज़गार को बढ़ावा मिल सकता है।

(iii) याकटेन का उदय ग्रामीण पर्यटन और कार्य संस्कृति के प्रति भारत के दृष्टिकोण में एक रणनीतिक बदलाव का प्रतीक है। सिक्किम पर्यटन विभाग, सर्वहितेय की भागीदारी और बुनियादी सुविधाओं के लिए जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं के समर्थन से, यह मॉडल अन्य हिमालयी और ग्रामीण क्षेत्रों में भी अपनाए जाने के लिए तैयार है, जो डिजिटल युग, पर्यावरण के प्रति जागरूक उद्यमिता के लिए एक

आदर्श स्थापित करता है।

2. केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में दूसरा BIMSTEC पोर्ट्स कॉन्क्लेव उद्घाटन किया।



बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (BIMSTEC) के अंतर्गत आयोजित BIMSTEC पोर्ट्स कॉन्क्लेव के दूसरे संस्करण का उद्घाटन विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश (AP) में 14 जुलाई से 15 जुलाई, 2025 तक किया। इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य क्षेत्रीय समुद्री संपर्क, बंदरगाह विकास और ब्लू इकोनॉमी को बढ़ावा देना था।

- इस कार्यक्रम का आयोजन विशाखापत्तनम बंदरगाह प्राधिकरण (VPA) द्वारा किया गया था और इसमें BIMSTEC सदस्य देशों के वरिष्ठ अधिकारी, नीति निर्माता और उद्योग हितधारक शामिल हुए। सम्मेलन का मुख्य विषय था 'भविष्य की दिशा: नीली अर्थव्यवस्था, नवाचार और सतत साझेदारी', जिसमें सतत क्षेत्रीय विकास के लिए समुद्री बुनियादी ढाँचे का लाभ उठाने पर ज़ोर दिया गया।

- दूसरे BIMSTEC बंदरगाह सम्मेलन में समुद्री परिवहन सहयोग पर BIMSTEC समझौते (AMTC) को क्रियान्वित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया,

जिस पर अप्रैल 2025 में बैंकॉक, थाईलैंड में छठे BIMSTEC शिखर सम्मेलन के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे।

- इस समझौते का उद्देश्य क्षेत्रीय समुद्री व्यापार, रसद, कूज पर्यटन और कौशल विकास को मज़बूत करना है। उल्लेखनीय है कि भारत एएमटीसी पर हस्ताक्षर करने वाला पहला देश था, जो बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में समुद्री सहयोग में उसके नेतृत्व का प्रतीक है।

Key Points:-

(i) केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने यह भी घोषणा की कि एक BIMSTEC सतत समुद्री परिवहन केंद्र की स्थापना की जाएगी, जो भारतीय महासागर उत्कृष्टता केंद्र (IOCE-SMaRT) के अंतर्गत पवई, मुंबई (महाराष्ट्र) स्थित समुद्री प्रशिक्षण संस्थान में स्थापित होगा। यह केंद्र BIMSTEC देशों में उन्नत समुद्री प्रशिक्षण और सतत लॉजिस्टिक्स समाधान के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करेगा।

(ii) इस कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने विशाखापत्तनम पोर्ट में ₹276 करोड़ से अधिक की लागत की विभिन्न क्षमता निर्माण और विकास पहलों का भी शुभारंभ किया, जिसका उद्देश्य बंदरगाह अवसंरचना, डिजिटल संपर्क और कार्गो हैंडलिंग क्षमता को बढ़ाना है। ये पहले भारत के सागरमाला दृष्टिकोण और PM गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप हैं।

(iii) इसके अतिरिक्त, केंद्रीय मंत्री ने विशाखापत्तनम में छह प्रमुख बंदरगाह अवसंरचना परियोजनाओं के लिए शिलान्यास किया, जिनकी कुल निवेश लागत ₹116 करोड़ से अधिक है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना, बंदरगाह आधारित विकास को बढ़ावा देना और बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में समुद्री नवाचार को प्रोत्साहित करना है।

3. नीति आयोग ने भारत के निर्यात और व्यापार रुझानों पर प्रकाश डालते हुए 'ट्रेड वॉच कार्टरली

(TWQ): अक्टूबर-दिसंबर Q3 FY25' का तीसरा संस्करण जारी किया।



जुलाई 2025 में, नीति आयोग ने नई दिल्ली में अपनी तिमाही व्यापार रिपोर्ट का तीसरा संस्करण 'ट्रेड वॉच क्वार्टरली (TWQ): अक्टूबर-दिसंबर (Q3) FY25' जारी किया। यह रिपोर्ट वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के दौरान भारत के व्यापारिक और सेवा व्यापार प्रदर्शन की विस्तृत जानकारी प्रदान करती है।

- रिपोर्ट का लोकार्पण नीति आयोग के सदस्य डॉ. अरविंद विरमानी ने किया और इसमें एक विषयगत सत्र शामिल है जिसमें अमेरिका के टैरिफ ढांचे में हाल के बदलावों पर चर्चा की गई है, तथा वैश्विक व्यापार संरक्षण और भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता पर उनके प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई है।

- भारत के व्यापारिक निर्यात में साल-दर-साल 3% की वृद्धि देखी गई, जो वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में 108.7 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया। हालाँकि, आयात में 6.5% की वृद्धि हुई, जो कुल 187.5 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जिससे इसी अवधि में व्यापारिक व्यापार घाटा और बढ़ गया।

- रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया कि निर्यात बास्केट स्थिर रही, तथा विमान, अंतरिक्ष यान और उसके कुछ हिस्से 200% से अधिक वार्षिक वृद्धि दर्शाते हुए शीर्ष 10 निर्यात सूची में शामिल हो गए,

जो भारत की निर्यात प्राथमिकताओं में बदलाव का संकेत है।

Key Points:-

(i) भारत ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 52.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर का सेवा व्यापार अधिशेष दर्ज किया। यह सेवा निर्यात में वर्ष-दर-वर्ष 17% की मज़बूत वृद्धि के कारण संभव हुआ, जिससे तिमाही के दौरान व्यापारिक व्यापार घाटे की आंशिक भरपाई करने में मदद मिली।

(ii) भारत को 2024 में 269 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के डिजिटली डिलीवर्ड सर्विसेज (डीडीएस) निर्यात के साथ पाँचवाँ सबसे बड़ा निर्यातक माना गया। यह वैश्विक डिजिटल सेवा निर्यात में भारत की मज़बूत होती भूमिका को रेखांकित करता है।

(iii) रिपोर्ट में भारत के उच्च-तकनीकी व्यापारिक वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि पर प्रकाश डाला गया है, विशेष रूप से विद्युत मशीनरी और रक्षा क्षेत्रों में। 2014 से इन क्षेत्रों में 10.6% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) से वृद्धि हुई है। उत्तरी अमेरिका और यूरोपीय संघ प्रमुख बाजार बने रहे, जिनका संयुक्त रूप से लगभग 40% निर्यात हुआ।

4. केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने MSMEs में ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा में 'ADEETIE' योजना शुरू की।



15 जुलाई, 2025 को केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने हरियाणा के पानीपत स्थित आर्य PG कॉलेज में ₹1,000 करोड़ के बजट के साथ 'उद्योगों एवं प्रतिष्ठानों में ऊर्जा कुशल प्रौद्योगिकियों के प्रयोग में सहायता (ADEETIE)' योजना का शुभारंभ किया। यह योजना ऊर्जा दक्षता में सुधार के लिए MSMEs को लक्षित करती है।

- केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने ऊर्जा मंत्रालय (MoP) और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) का प्रतिनिधित्व करते हुए ADEETIE योजना का आधिकारिक शुभारंभ किया। इस योजना का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) में ऊर्जा-कुशल तकनीकों को अपनाने में तेज़ी लाना है ताकि ऊर्जा की खपत कम हो और स्थिरता को बढ़ावा मिले।

- इस योजना के लिए कुल 1,000 करोड़ रुपये का बजट आवंटन किया गया है और इसमें आधिकारिक ADEETIE पोर्टल और योजना ब्रोशर का शुभारंभ शामिल है, जिसका अनावरण पानीपत कार्यक्रम में किया गया ताकि लाभार्थियों को वित्तपोषण प्रक्रियाओं को समझने में सहायता मिल सके।

- ADEETIE योजना को ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE) द्वारा विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत तीन वर्षों की अवधि के लिए कार्यान्वित किया जाएगा, जो वित्त वर्ष 2025-26 (वित्त वर्ष 26) से वित्त वर्ष 2027-28 (वित्त वर्ष 28) तक रहेगी। BEE इस योजना के तकनीकी और परिचालन कार्यान्वयन के लिए ज़िम्मेदार होगा।

Key Points:-

(i) विद्युत मंत्रालय ने ₹875 करोड़ की ब्याज सहायता, ₹50 करोड़ मूल्य की निवेश ग्रेड ऊर्जा लेखा परीक्षा (IGEA) सहायता, तथा BEE से ₹75 करोड़ मूल्य की तकनीकी सहायता का प्रावधान किया है।

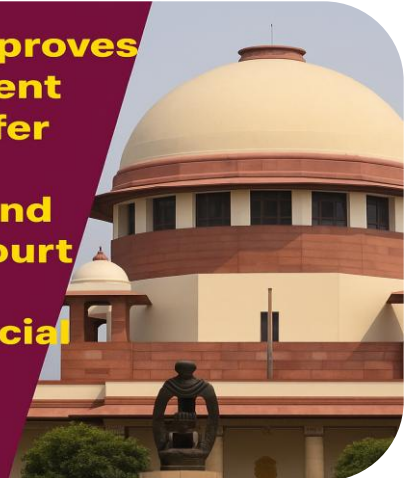
(ii) यह योजना सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए 50%

तथा मध्यम उद्यमों के लिए EE (ऊर्जा-कुशल) प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले ऋणों पर 3% ब्याज अनुदान प्रदान करती है।

(iii) ADEETIE IGEA, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR), प्रौद्योगिकी पहचान, निगरानी एवं सत्यापन (M&V) सहित संपूर्ण प्रक्रियाओं का समर्थन करता है। यह योजना दो चरणों में लागू की जाएगी, जिसकी शुरुआत 60 औद्योगिक समूहों से होगी और इसका लक्ष्य पीतल, चीनी मिट्टी, रसायन, मत्स्य पालन, वस्त्र, कांच, चमड़ा और ढलाई जैसे 14 ऊर्जा-प्रधान क्षेत्रों को बनाया जाएगा।

5. केंद्र ने बड़े न्यायिक फेरबदल में 9 मुख्य न्यायाधीशों और 19 उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति और स्थानांतरण को मंजूरी दी।

Centre approves appointment and transfer of 9 Chief Justices and 19 High Court Judges in major judicial reshuffle



14 जुलाई 2025 को, अर्जुन राम मेघवाल की अध्यक्षता में केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय ने भारतीय न्यायपालिका में एक बड़े फेरबदल को मंजूरी दी, जिसमें पाँच नए मुख्य न्यायाधीशों (CJs) की नियुक्ति और विभिन्न उच्च न्यायालयों (HCs) में चार मौजूदा मुख्य न्यायाधीशों का स्थानांतरण शामिल है। इसके अतिरिक्त, सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम (SCC) ने न्यायिक प्रशासन को सुव्यवस्थित करने के लिए कई उच्च न्यायालयों में 19 न्यायाधीशों के स्थानांतरण की सिफ़ारिश की।

● इन नियुक्तियों और तबादलों को भारत के राष्ट्रपति द्वारा संवैधानिक प्रावधानों के आधार पर, भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) और सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम (SCC) के परामर्श के बाद आधिकारिक रूप से अनुमोदित किया गया था। भारत के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश, बी.आर. गवई ने न्यायपालिका के प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने हेतु इन सिफारिशों को अंतिम रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

● जिन चार मुख्य न्यायाधीशों का तबादला किया गया है उनमें न्यायमूर्ति के.आर. श्रीराम को मद्रास उच्च न्यायालय (तमिलनाडु) से राजस्थान उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव को राजस्थान उच्च न्यायालय से मद्रास उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति एम.एस. रामचंद्र राव को झारखंड उच्च न्यायालय से त्रिपुरा उच्च न्यायालय और न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह को त्रिपुरा उच्च न्यायालय से तेलंगाना उच्च न्यायालय में स्थानांतरित किया गया है।

● पांच नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीशों में न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा शामिल हैं, जो मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में कार्यरत थे और अब उसी न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए गए हैं; दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति विभु बाखरू को कर्नाटक उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है; पटना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति आशुतोष कुमार को अब गुवाहाटी उच्च न्यायालय (असम) का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है; पटना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति विपुल मनुभाई पांचाल को मेघालय उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है; और हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति तरलोक सिंह चौहान को झारखंड उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

(i) विधि एवं न्याय मंत्रालय ने 26 जून 2025 को जारी SCC की सिफारिशों के आधार पर 19 उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के स्थानांतरण को भी मंजूरी दी। इनमें न्यायमूर्ति अनिल कुमार ओझा, ओम प्रकाश शुक्ला, के. कामेश्वर राव, नितिन वाधवा, संबित राणा, कुमार मनोज और विवेक चौधरी को बेहतर केस वितरण और न्यायिक दक्षता के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय में स्थानांतरित किया गया है।

(ii) प्रमुख उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के लिए कई अन्य न्यायाधीशों का स्थानांतरण किया गया है। न्यायमूर्ति गुंजन श्याम और श्री चंद्रशेखर को बॉम्बे उच्च न्यायालय, जबकि न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी को कर्नाटक उच्च न्यायालय स्थानांतरित किया गया है। इसके अतिरिक्त, न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल और न्यायमूर्ति लक्ष्मीकांत झा को कलकत्ता उच्च न्यायालय में कार्यभार संभालने के लिए स्थानांतरित किया गया है।

(iii) अन्य महत्वपूर्ण स्थानांतरणों में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से न्यायमूर्ति अंशुल वर्मा, राजस्थान उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा, पटना उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह, आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति बट्टू देवानंद, बॉम्बे उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति अमोल रतन सिंह और उड़ीसा उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति मानस रंजन पाठक का स्थानांतरण शामिल है, जिससे हाल के समय में सबसे व्यापक न्यायिक पुनर्गठन पूरा हो गया है।

INTERNATIONAL

1. क्यूएस सर्वश्रेष्ठ छात्र शहर 2026: सियोल वैश्विक रैंकिंग में शीर्ष पर, चार भारतीय शहर शीर्ष 130 में शामिल।

Key Points:-



जुलाई 2025 के मध्य में, काक्वेरेलीसाइमंड्स (QS) ने अपनी वार्षिक सर्वश्रेष्ठ छात्र शहर 2026 रिपोर्ट जारी की, जिसमें सियोल (दक्षिण कोरिया) को पूर्ण स्कोर के साथ प्रथम स्थान दिया गया। चार भारतीय महानगरों—मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई—ने शीर्ष 130 में स्थान प्राप्त किया, जिससे वैश्विक शिक्षा दृश्यता में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

- विश्वविद्यालय की गुणवत्ता, छात्र संतुष्टि और नियोक्ता जुड़ाव में उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण, सियोल 100 के आदर्श स्कोर के साथ पहले स्थान पर पहुँच गया। पहली बार, एशिया ने शीर्ष दो स्थान हासिल किए, जबकि टोक्यो 99.9 के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जो अपने मज़बूत छात्र संतुष्टि और नियोक्ता गतिविधि सूचकांकों के लिए जाना जाता है। लंदन, जो पहले छह वर्षों से शीर्ष पर था, 12.6 की कम सामर्थ्य रेटिंग के कारण 97.1 के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गया।

- QS रिपोर्ट ने छह प्रमुख मानदंडों का उपयोग करते हुए 150 वैश्विक शहरों की रैंकिंग की: विश्वविद्यालय रैंकिंग, छात्र मिश्रण, वांछनीयता, नियोक्ता गतिविधि, सामर्थ्य और छात्र संतुष्टि। शीर्ष तीन के बाद, म्यूनिख (4वां, 96.3) और मेलबर्न (5वां, 95.7) शीर्ष पांच में शामिल हुए, जबकि सिडनी, बर्लिन, पेरिस, ज्यूरिख और वियना शीर्ष दस में शामिल हुए।

Key Points:-

(i) भारत का मुंबई वैश्विक शीर्ष 100 में 98वें स्थान पर पहुँच गया, जो पिछले साल के 131वें स्थान से बेहतर है और कुल मिलाकर 61.6 अंक प्राप्त किए। दिल्ली 104वें स्थान पर पहुँच गया, जिसे छात्रों के लिए सबसे किफायती शहर के रूप में वैश्विक स्तर पर सराहा गया और छात्रों के लिए दुनिया के सबसे सस्ते गंतव्य का गौरव प्राप्त हुआ। मजबूत नियोक्ता गतिविधि के कारण बेंगलुरु 22 स्थान ऊपर चढ़कर 108वें स्थान पर पहुँच गया, जबकि चेन्नई 12 स्थान ऊपर चढ़कर 128वें स्थान पर पहुँच गया।

(ii) भारतीय शहरों ने कई क्यूएस संकेतकों में अपनी मज़बूती दिखाई: मुंबई दुनिया भर में सामर्थ्य के मामले में 11वें और नियोक्ता गतिविधि के मामले में 37वें स्थान पर रहा, जो आर्थिक पहुँच और नौकरी की तत्परता, दोनों को दर्शाता है। दिल्ली ने सामर्थ्य के मामले में 96.5 अंक प्राप्त किए, जबकि बेंगलुरु (84.3) और चेन्नई (80.1) ने भी लागत-प्रभावशीलता के मामले में अच्छा प्रदर्शन किया।

(iii) QS रिपोर्ट बताती है कि रैंकिंग में भारत की ऊपर की ओर गतिशीलता राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के सुधारों से प्रभावित है, जिसने उच्च शिक्षा में वैश्विक जुड़ाव और छात्र-केंद्रित फोकस को बढ़ाया है। इस वैश्विक मानचित्र पर भारतीय शहरों की बढ़ती उपस्थिति शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रदर्शन और छात्र जीवन में मजबूत सुधार का संकेत देती है।

BANKING & FINANCE

1. SEBI ने 21 जुलाई से पुराने वेंचर कैपिटल फंडों को बंद करने के लिए 'VCF निपटान योजना 2025' शुरू की।



भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (SEBI) ने एक प्रमुख नियामकीय कदम उठाते हुए VCF सेटलमेंट स्कीम 2025 शुरू की है, जिसका उद्देश्य उन वेंचर कैपिटल फंड्स (VCFs) की सहायता करना है जो अब तक अपनी परिसमापन (liquidation) प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए हैं। यह योजना 21 जुलाई 2025 से शुरू होकर 19 जनवरी 2026 तक चालू रहेगी, जिससे फंड मैनेजरों को अनुपालन पूरा करने का एक अंतिम अवसर मिलेगा।

- SEBI ने मई 2012 में वैकल्पिक निवेश फंड (AIF) विनियम लागू करने के बाद वेंचर कैपिटल फंड्स विनियम को समाप्त कर दिया था। उस समय सभी VCFs को AIF में रूपांतरित होने और अपनी योजनाओं का समापन करने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, कई पुराने फंड्स अपनी तय समयावधि में परिसमापन प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए, जिससे नियामकीय प्रणाली में लंबित मुद्दे उत्पन्न हुए।

- इन समस्याओं को देखते हुए SEBI ने फंड्स को 19 जुलाई 2025 तक एक परिवर्तन अवधि प्रदान की थी। अब जबकि यह अवधि समाप्त होने जा रही है, SEBI ने VCF सेटलमेंट स्कीम 2025 के माध्यम से फंड्स को अपनी लंबित योजनाओं को नियमित करने का एक अवसर दिया है। यह योजना विशेष रूप से उन योजनाओं के लिए लागू है जिनकी

समयसीमा समाप्त हो चुकी है लेकिन अभी तक परिसमापन पूरा नहीं हुआ है।

- SEBI के अनुसार, यह योजना केवल उन्हीं VCFs के लिए मान्य होगी जिनके पास कम से कम एक ऐसी योजना है जिसकी समयसीमा समाप्त हो चुकी है और जिनका AIF में रूपांतरण पूरा हो चुका है। पात्र आवेदकों को SEBI के ऑनलाइन सेटलमेंट पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा और साथ में ₹25,000 + 18% GST का गैर-वापसी योग्य आवेदन शुल्क जमा करना होगा।

Key Points:-

(i) सेटलमेंट शुल्क का निर्धारण देरी की अवधि और शेष निवेश राशि पर आधारित होगा। एक वर्ष तक की देरी पर ₹1 लाख का बेस अमाउंट लागू होगा, और हर अतिरिक्त वर्ष (या उसके हिस्से) पर ₹50,000 अतिरिक्त शुल्क लिया जाएगा। इसके अलावा, जो राशि अब तक परिसमापन नहीं हुई है, उस पर ₹1 लाख से ₹6 लाख के बीच स्लैब आधारित शुल्क लगाया जाएगा।

(ii) SEBI ने स्पष्ट किया है कि यह समस्त शुल्क केवल इन्वेस्टमेंट मैनेजर या स्पॉन्सर द्वारा वहन किया जाएगा और निवेशकों या फंड की संपत्तियों पर इसका कोई भार नहीं डाला जाएगा। यह प्रावधान निवेशकों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है और अनुपालन की जिम्मेदारी पूरी तरह से फंड संचालकों पर डालता है।

(iii) जो भी VCF इस योजना का लाभ 19 जनवरी 2026 तक नहीं उठाएगा, उसके खिलाफ SEBI कानूनी कार्रवाई और दंडात्मक प्रक्रिया शुरू कर सकता है। यह योजना भारत के वैकल्पिक निवेश क्षेत्र में पारदर्शिता और अनुशासन बढ़ाने की SEBI की व्यापक पहल का हिस्सा है।

ECONOMY & BUSINESS

1. NSO की हालिया रिपोर्ट बताती है कि भारत की खुदरा मुद्रास्फीति जून 2025 तक घटकर 2.10 प्रतिशत रह जाएगी, जो जनवरी 2019 के बाद सबसे कम है।



जुलाई 2025 में, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) के तहत कार्यरत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) ने जून 2025 के महीने के लिए ग्रामीण, शहरी और संयुक्त क्षेत्रों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) डेटा जारी किया। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की खुदरा मुद्रास्फीति तेजी से घटकर 2.10% हो गई, जो जनवरी 2019 के बाद से सबसे निचला स्तर दर्ज किया गया।

- CPI द्वारा मापी गई खुदरा मुद्रास्फीति जून 2025 में 75 महीने के निचले स्तर (6 वर्ष) पर आ गई, जबकि मई 2025 में यह 2.82% थी। यह लगातार पांचवां महीना है जब मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के मध्यम अवधि के लक्ष्य 4% से नीचे रही है, जो वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच मूल्य स्थिरता को दर्शाता है।

- उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) घरों द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव को दर्शाता है। नवीनतम रिपोर्ट जनवरी 2025 से लगातार अवस्फीतिकारी प्रवृत्ति को दर्शाती है और भारतीय उपभोक्ताओं पर खुदरा मूल्य दबाव में उल्लेखनीय कमी को दर्शाती है।

- थोक मूल्य सूचकांक (WPI), जो एक अलग मुद्रास्फीति मापक है, 19 महीनों के बाद अपस्फीति क्षेत्र में प्रवेश कर गया। जून 2025 में इसमें -0.13% की गिरावट दर्ज की गई, जबकि मई 2025 में यह 0.39% की सकारात्मक दर पर था, जो थोक मूल्यों में व्यापक नरमी का संकेत है।

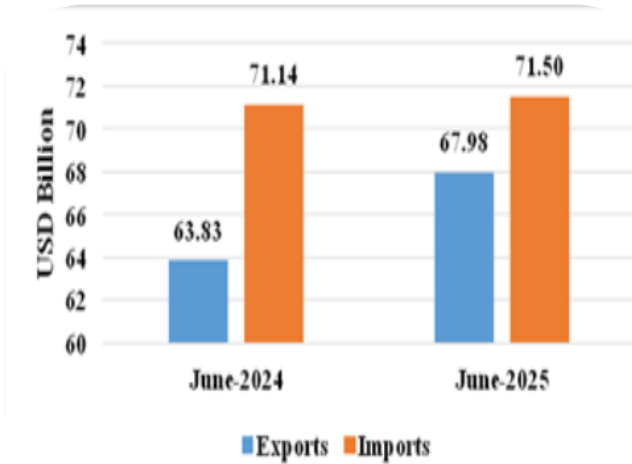
Key Points:-

(i) NSO के आंकड़ों से यह भी पता चला है कि अखिल भारतीय उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (CFPI) के लिए वर्ष-दर-वर्ष (Y-o-Y) मुद्रास्फीति दर जून 2024 (अंतिम) की तुलना में जून 2025 में -1.06% गिर गई, जिससे खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति में स्पष्ट कमी का संकेत मिलता है, जो समग्र CPI में एक प्रमुख भूमिका निभाता है।

(ii) ग्रामीण हेडलाइन मुद्रास्फीति दर मई 2025 में 2.59% से घटकर जून 2025 में 1.72% (अंतिम) हो गई, जो ग्रामीण भारत में, विशेष रूप से आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं में बेहतर मूल्य नियंत्रण का संकेत देती है।

(iii) इसी प्रकार, शहरी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) मुद्रास्फीति मई 2025 के 3.12% से घटकर जून 2025 में 2.56% (अंतिम) हो गई। शहरी मुद्रास्फीति में यह गिरावट सभी जनसांख्यिकीय क्षेत्रों में संतुलित मूल्य आंदोलन की प्रवृत्ति को और पुष्ट करती है।

2. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की रिपोर्ट: भारत का व्यापार घाटा जून 2025 में तेजी से घटकर 3.51 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो जाएगा।



जुलाई 2025 के मध्य में, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (एमओसीएंडआई) ने जून के व्यापार आंकड़े जारी किए, जिसमें खुलासा हुआ कि भारत का संयुक्त माल और सेवा व्यापार घाटा एक साल पहले 7.30 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में काफी कम होकर 3.51 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो व्यापार असंतुलन में साल-दर-साल (Y-o-Y) मजबूत संकुचन को दर्शाता है।

● घाटे में कमी मजबूत निर्यात वृद्धि को दर्शाती है क्योंकि जून 2025 में कुल निर्यात 6.5% की प्रभावशाली वृद्धि के साथ 67.98 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जबकि कुल आयात कम रहा, जो मामूली रूप से 0.5% बढ़कर 71.50 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो बेहतर व्यापार गतिशीलता और सकारात्मक बाहरी मांग का संकेत देता है।

● संरचना के संदर्भ में, व्यापारिक निर्यात 35.14 बिलियन अमेरिकी डॉलर पर स्थिर रहा, जो जून 2024 में दर्ज 35.16 बिलियन अमेरिकी डॉलर के लगभग बराबर है। हालांकि, व्यापारिक आयात 56.00 बिलियन अमेरिकी डॉलर से घटकर 53.92 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया, जिसका मुख्य कारण कच्चे तेल और सोने का आयात कम होना है, जिससे वस्तुओं के व्यापार घाटे में कमी आई है।

● सेवा क्षेत्र ने अपना मजबूत प्रदर्शन जारी रखा और निर्यात जून 2024 के 28.67 अरब अमेरिकी डॉलर से

बढ़कर जून 2025 में 32.84 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जबकि सेवा आयात भी मामूली रूप से बढ़कर 15.14 अरब अमेरिकी डॉलर से 17.58 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। परिणामस्वरूप सेवा अधिशेष ने समग्र व्यापार संतुलन में सुधार को बढ़ावा दिया।

Key Points:-

(i) विशिष्ट निर्यात क्षेत्रों में, इलेक्ट्रॉनिक सामान, फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग उत्पाद, समुद्री उत्पाद, और मांस, डेयरी एवं पोल्ट्री में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात बढ़कर 4.15 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जबकि फार्मास्यूटिकल्स का निर्यात बढ़कर 2.62 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो भारत के व्यापारिक निर्यात आधार में विविधता को दर्शाता है।

(ii) क्षेत्रीय स्तर पर, संयुक्त राज्य अमेरिका (23.5%), चीन (17.2%), केन्या (76.2%), फ्रांस (21.8%), और ब्राज़ील (23.0%) प्रमुख निर्यात गंतव्य बने रहे। आयात के मामले में, प्रमुख आपूर्ति आयरलैंड (266%), हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र (23.1%), सिंगापुर (18.2%), थाईलैंड (25.7%), और चीन (2.5%) से हुई, जो वैश्विक व्यापार पैटर्न को दर्शाता है।

(iii) तिमाही तुलना पर, अप्रैल-जून 2025 (वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही) के दौरान व्यापार में मजबूत गति देखी गई: कुल निर्यात बढ़कर 210.31 अरब अमेरिकी डॉलर (+5.9% वर्ष-दर-वर्ष) और आयात बढ़कर 230.62 अरब अमेरिकी डॉलर (+4.4%) हो गया। कुल व्यापार घाटा लगभग 2.1 अरब अमेरिकी डॉलर घटकर 20.31 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया, जो वस्तुओं और सेवाओं में निरंतर सकारात्मक रुझान को दर्शाता है।

AWARDS

1. दीपिका सेहरावत 2024-25 सीज़न के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड जीतने वाली पहली भारतीय बनीं।



जुलाई 2025 में, भारतीय महिला हॉकी फॉरवर्ड दीपिका सेहरावत 2024-25 सीज़न के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनकर इतिहास रच देंगी। यह पुरस्कार अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) द्वारा FIH हॉकी प्रो लीग में सबसे रचनात्मक और कुशल प्रदर्शनों का जश्र मनाने के लिए, एक वैश्विक प्रशंसक मतदान प्रणाली के आधार पर प्रदान किया जाता है।

- दीपिका को यह प्रतिष्ठित सम्मान ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित FIH प्रो लीग 2024-25 मैच के दौरान विश्व की नंबर 1 टीम, नीदरलैंड के खिलाफ अपने उत्कृष्ट एकल गोल के लिए मिला। उनकी उल्लेखनीय ड्रिलिंग और फिनिशिंग कौशल की व्यापक रूप से सराहना हुई और अंततः प्रशंसकों का भारी समर्थन प्राप्त हुआ, जिसके परिणामस्वरूप उन्होंने यह पुरस्कार जीता।

- वह महिला वर्ग में तीन फाइनलिस्टों में से एक थीं, स्पेन की पेद्रीसिया अल्वारेज़ और ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम की एक संयुक्त प्रविष्टि के साथ। दीपिका की जीत विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वैश्विक महिला हॉकी में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा

और अंतरराष्ट्रीय मंच पर युवा खिलाड़ियों की व्यक्तिगत प्रतिभा को उजागर करती है।

Key Points:-

(i) FIH द्वारा शुरू किया गया पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड, पूरे सीज़न में शीर्ष स्तरीय रचनात्मक हॉकी क्षणों को प्रदर्शित करने, प्रतिभा, नवाचार और तकनीकी निपुणता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से है। इस पुरस्कार का नाम पोलिग्रास के नाम पर रखा गया है, जो कई विशिष्ट हॉकी प्रतियोगिताओं में इस्तेमाल किया जाने वाला टर्फ ब्रांड है, और यह आधुनिक कौशल-संचालित खेल को दर्शाता है।

(ii) पुरुष वर्ग में, यह पुरस्कार बेल्जियम के विक्टर वेगनेज़ ने अपने शानदार मिडफ़िल्ड खेल के लिए जीता, जिसकी बदौलत स्पेन के खिलाफ़ एक शानदार टीम गोल हुआ। दीपिका सेहरावत और वेगनेज़ को एक साथ सम्मानित किया जाना इस पुरस्कार की वैश्विक पहुँच और पुरुष एवं महिला हॉकी, दोनों में उत्कृष्टता का जश्र मनाने के लिए FIH की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

IMPORTANT DAYS

1. शासन और नवाचार में AI की परिवर्तनकारी भूमिका को उजागर करने के लिए 16 जुलाई को AI प्रशंसा दिवस 2025 मनाया जाएगा।



भारत शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कृषि जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के परिवर्तनकारी प्रभाव के सम्मान में 16 जुलाई, 2025 को AI प्रशंसा दिवस मनाएगा। यह वैश्विक दिवस जटिल मानवीय चुनौतियों के समाधान हेतु एआई के नैतिक और ज़िम्मेदाराना उपयोग को प्रोत्साहित करता है।

- 2025 में, भारत सामाजिक विकास और नवाचार में एआई की भूमिका को मान्यता देने के लिए एआई प्रशंसा दिवस के वैश्विक उत्सव में शामिल हुआ। इस अवसर पर, स्मार्ट गवर्नेंस, कृषि-तकनीक, ई-स्वास्थ्य और डिजिटल शिक्षा जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, एआई का ज़िम्मेदारी और नैतिक रूप से उपयोग करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया।

- यह दिवस कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नैतिक उपयोग और मानव जीवन को बेहतर बनाने में इसकी बढ़ती भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। इसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता की प्रगति के सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी प्रभावों पर विचार करना है।

- AI प्रशंसा दिवस की शुरुआत मई 2021 में AI हार्ट एलएलसी, एक संयुक्त राज्य अमेरिका (USA)-आधारित संगठन द्वारा की गई थी, जिसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में नैतिक एआई प्रथाओं और जिम्मेदार नवाचार को बढ़ावा देना है।

Key Points:-

(i) कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की उत्पत्ति 20वीं सदी के मध्य में हुई थी। 1943 में, शोधकर्ताओं मैककुलोच और पिट्स ने पहले कृत्रिम न्यूरोन्स का आविष्कार किया, जिससे तंत्रिका नेटवर्क की नींव पड़ी। बाद में 1956 में, डार्टमाउथ वर्कशॉप में "कृत्रिम बुद्धिमत्ता" शब्द औपचारिक रूप से गढ़ा गया, जिसने आधिकारिक तौर पर शैक्षणिक अध्ययन और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र के रूप में AI की शुरुआत को चिह्नित किया।

(ii) भारत ने 1960 के दशक में शुरुआती कंप्यूटर विज्ञान कार्यक्रमों के साथ अपनी एआई पहल शुरू की। 1986 में ज्ञान-आधारित कंप्यूटर सिस्टम (KBCS) परियोजना की शुरुआत के साथ एक बड़ा मील का पत्थर स्थापित हुआ, जिसका उद्देश्य स्वदेशी एआई तकनीकों का विकास करना था।

(iii) 1990 के दशक में, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के तहत उन्नत कंप्यूटिंग विकास केंद्र (C-DAC) ने सुपरकंप्यूटिंग और अनुसंधान एवं विकास पहलों के माध्यम से भारत की AI क्षमताओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे राष्ट्रीय AI रणनीतियों का मार्ग प्रशस्त हुआ।

SCIENCE AND TECHNOLOGY

1. भारत को जुलाई 2025 में LCA तेजस MK1A कार्यक्रम के लिए अमेरिका से दूसरा GE F404-IN20 इंजन प्राप्त होगा।



जुलाई 2025 में, भारत को अपने स्वदेशी रूप से विकसित हल्के लड़ाकू विमान (LCA) तेजस Mk1A कार्यक्रम के लिए GE एयरोस्पेस, संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) से दूसरा GE F404-IN20 इंजन प्राप्त हुआ। यह इंजन हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL), बेंगलुरु को दिया गया और यह पहले इंजन के

बाद आया है जो मार्च 2025 में चल रहे रक्षा आपूर्ति अनुबंध के तहत दिया गया था।

- इस दूसरे इंजन की आपूर्ति भारत और जनरल इलेक्ट्रिक (GE) एयरोस्पेस के बीच 2021 में हुए एक बड़े समझौते का हिस्सा है, जिसका मूल्य 716 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग ₹5,375 करोड़) है और यह 99 GE F404-IN20 इंजन की आपूर्ति के लिए है। ये इंजन भारतीय वायु सेना के एकल-इंजन वाले LCA तेजस Mk1A जेट के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिन्हें स्वदेशी रक्षा निर्माण और हवाई युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

- GE F404-IN20 इंजन, F404 इंजन परिवार का सबसे शक्तिशाली संस्करण है, जिसे विशेष रूप से भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमान कार्यक्रम के लिए तैयार किया गया है। इसमें उच्च-थ्रस्ट क्षमता, मजबूत फ़ैन, उन्नत सिंगल-क्रिस्टल टर्बाइन ब्लेड और उन्नत कोर घटक हैं जो विमान की सहनशक्ति, ईंधन दक्षता और परिचालन क्षमता को बढ़ाते हैं।

- ये इंजन कर्नाटक के बेंगलुरु स्थित मुख्यालय वाले हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) को आपूर्ति किए जा रहे हैं। HAL, LCA तेजस Mk1A का प्रमुख इंटीग्रेटर और निर्माता है। वर्तमान चरण के तहत, HAL को वित्तीय वर्ष 2025-26 (FY26) के अंत तक 12 GE F404-IN20 इंजन प्राप्त होने की उम्मीद है, जिससे LCA उत्पादन के लिए एक स्थिर आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित होगी।

Key Points:-

(i) HAL अपनी उत्पादन क्षमता का विस्तार करने और वित्त वर्ष 2026-27 से सालाना 30 LCA Mk1A विमानों का निर्माण शुरू करने की योजना बना रहा है। इस विस्तार को भारत के "आत्मनिर्भर भारत" मिशन के तहत सार्वजनिक और निजी दोनों उद्योगों का समर्थन प्राप्त होगा, जिसका उद्देश्य रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता और विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम करना है।

(ii) तेजस Mk1A बेड़े में GE F404-IN20 इंजनों के पूर्ण एकीकरण से भारतीय वायु सेना (IAF) चरणबद्ध तरीके से इन विमानों को शामिल करना शुरू कर सकेगी। यह भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान विकास तंत्र में एक बड़ा कदम है, जिससे युद्ध की तैयारी और भारत की एयरोस्पेस क्षमताओं में वृद्धि होगी।

(iii) इंजन समझौते में बिक्री के बाद सहायता, तकनीकी सहायता और जीवन-चक्र रखरखाव के प्रावधान भी शामिल हैं, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि HAL भारतीय वायुसेना की दीर्घकालिक परिचालन आवश्यकताओं को पूरा कर सके। GE एयरोस्पेस और HAL के बीच यह रणनीतिक सहयोग बढ़ती भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी को रेखांकित करता है।

2. DRDO ने जोधपुर में भारतीय नौसेना को छह स्वदेशी विकिरण पहचान प्रणाली सौंपी।



जुलाई 2025 में, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने छह स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और विकसित की गई विकिरण पहचान प्रणालियाँ भारतीय नौसेना को एक उच्च-स्तरीय समारोह के दौरान जोधपुर, राजस्थान स्थित रक्षा प्रयोगशाला में औपचारिक रूप से सौंपी। यह उपलब्धि भारत की घरेलू तकनीक से नौसेना रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

● इन रणनीतिक उत्पादों को रक्षा अनुसंधान और विकास प्रयोगशाला (DRDL), जो DRDO की एक प्रमुख प्रयोगशाला है, द्वारा विशेष रूप से नौसेना स्टाफ गुणात्मक आवश्यकताओं (NSQR) को पूरा करने के लिए विकसित किया गया। ये प्रणालियाँ 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की भारत की व्यापक रणनीति का हिस्सा हैं।

● भारतीय नौसेना को सौंपे गए छह उत्पादों में शामिल हैं: गामा विकिरण हवाई निगरानी प्रणाली (GRASS), पर्यावरणीय निगरानी वाहन (ESV), वाहन विकिरण संदूषण निगरानी प्रणाली (VRCMS), जल के भीतर गामा विकिरण निगरानी प्रणाली (UGRMS), गंदगी निष्कर्षक और क्रॉस संदूषण मॉनिटर (DECCOM), और अंग रेडियोधर्मिता पहचान प्रणाली (ORDS)। ये सभी प्रणालियाँ नौसेना तैनाती में उन्नत विकिरण निगरानी प्रदान करने के उद्देश्य से बनाई गई हैं।

Key Points:-

(i) यह हस्तांतरण समारोह रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग (DDR&D) के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वेंकटपति कामत की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। भारतीय नौसेना की ओर से विशेष पनडुब्बी परियोजनाओं के सहायक नौसेना स्टाफ प्रमुख (ACNS-SSP) रियर एडमिरल श्रीराम अमूर ने इन उपकरणों को प्राप्त किया। यह कार्यक्रम नई दिल्ली स्थित नौसेना मुख्यालय में संपन्न हुआ।

(ii) राजस्थान के जोधपुर में स्थित रक्षा प्रयोगशाला, जो DRDO की एक प्रमुख इकाई है, ने इन प्रणालियों के विकास का नेतृत्व किया। यह पहल न केवल भारत की सैन्य तैयारियों को सशक्त करती है, बल्कि विकिरण-संवेदनशील क्षेत्रों में नौसेना कर्मियों की सुरक्षा को भी सुनिश्चित करती है।

(iii) इसके अलावा, DRDO ने तेलंगाना के बीबीनगर

में स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) के साथ सहयोग करते हुए भारत का पहला स्वदेशी रूप से विकसित कार्बन फाइबर फुट प्रोस्थेसिस 'AIDOC' (AIIMS Bibinagar – DRDL Designed Indigenous Developed Optimised Carbon Foot Prosthesis) लॉन्च किया है। यह सहयोग रक्षा कर्मियों और आम नागरिकों दोनों के लिए एक सस्ता और हल्का कृत्रिम पैर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

OBITUARY

1. दुनिया के सबसे बुजुर्ग मैराथन धावक फौजा सिंह का पंजाब में 114 वर्ष की आयु में निधन हो गया।



जुलाई 2025 में, भारत के प्रसिद्ध मैराथन आइकन फौजा सिंह, जिन्हें "पगड़ीधारी बवंडर" के नाम से जाना जाता था, का 114 वर्ष की आयु में उनके पैतृक गाँव ब्यास पिंड, जालंधर, पंजाब में निधन हो गया। 1 अप्रैल, 1911 को ब्यास पिंड (तत्कालीन ब्रिटिश भारत) में जन्मे, उन्हें दुनिया के सबसे उम्रदराज़ मैराथन धावक होने का गौरव प्राप्त था।

● फौजा सिंह ने वर्ष 2000 में 89 वर्ष की उल्लेखनीय आयु में अपनी पेशेवर मैराथन यात्रा शुरू की। उनकी पहली मैराथन लंदन, यूनाइटेड किंगडम (UK) में आयोजित की गई थी, जहां उन्होंने 6 घंटे और 54 मिनट में दौड़ पूरी की थी - अपने आयु वर्ग के लिए एक विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया।

- 2003 में, सिंह ने कनाडा के टोरंटो वाटरफ्रंट मैराथन में 5 घंटे, 40 मिनट और 4 सेकंड का समय लेकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स जगत में व्यापक पहचान दिलाई।

Key Points:-

(i) उन्होंने 2011 में टोरंटो में ही 8 घंटे 11 मिनट में पूरी मैराथन पूरी करके इतिहास रच दिया, जब वे दुनिया के पहले सौ साल के व्यक्ति (100+ आयु वर्ग) बनकर इतिहास रच दिया। इस उपलब्धि ने वैश्विक दौड़ समुदाय में उनकी महानता को और पुख्ता किया।

(ii) 2002 से 2012 के बीच, अपने 14 साल के दौड़ करियर में, फौजा सिंह ने 9 पूर्ण मैराथन पूरी कीं, जिसमें उन्होंने बेजोड़ सहनशक्ति, लचीलापन और भावना का प्रदर्शन किया, जिसने पीढ़ियों से लाखों लोगों को प्रेरित किया।

(iii) अपनी एथलेटिक उपलब्धियों के अलावा, सिंह ने 2012 लंदन ओलंपिक के दौरान ओलंपिक मशाल को आगे बढ़ाया और अपने मंच का उपयोग धर्मार्थ कार्यों और सकारात्मक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए किया। उनकी प्रेरक जीवनी, "टर्बन्ड टॉर्नेडो", 2011 में प्रकाशित हुई, जिसमें उनकी असाधारण जीवन यात्रा को दर्शाया गया है।

ENVIRONMENT

1. पश्चिमी घाट में नई ड्रेगनफ्लाई प्रजाति 'लिरियोथेमिस अब्राहमी' और असम में गेको प्रजाति की खोज की गई।



जून 2025 में, केरल स्थित त्रावणकोर नेचर हिस्ट्री सोसाइटी (TNHS) के शोधकर्ताओं ने सहयोगी संस्थानों के साथ मिलकर पश्चिमी घाट में लिरियोथेमिस अब्राहमी नामक एक नई ड्रेगनफ्लाई प्रजाति की पहचान की। समान आकारिकी विशेषताओं के कारण, पहले इस प्रजाति को लिरियोथेमिस फ्लेवा समझ लिया गया था।

- लिरियोथेमिस अब्राहमी की खोज को आधिकारिक तौर पर कीटविज्ञान पत्रिका एंटोमोन में प्रकाशित किया गया था। इस नई प्रजाति का नाम केरल के अग्रणी गंध-रोग विज्ञानी अब्राहम सैमुअल के सम्मान में रखा गया है, जो भारत में ड्रेगनफ्लाई और डैमसेल्फ्लाई (ओडोनटोलॉजी) के अध्ययन में उनके आधारभूत योगदान को मान्यता प्रदान करता है।

- ड्रेगनफ्लाई प्रजाति पश्चिमी घाट के दक्षिणी और मध्य भागों में पाई जाती है, और इसका निवास स्थान केरल और कर्नाटक तक फैला हुआ है। यह निचले वर्षावनों और समुद्र तल से 50 से 1,100 मीटर की ऊँचाई पर स्थित मध्य-ऊँचाई वाले सदाबहार या पर्णपाती वनों में पाई जाती है।

- आकृति विज्ञान की दृष्टि से, लिरियोथेमिस अब्राहमी प्रबल लैंगिक द्विरूपता प्रदर्शित करता है। नर ड्रेगनफ्लाई में विशिष्ट आकार के हैम्यूल्स (द्वितीयक जननांग) होते हैं, जबकि मादाएँ पूरी तरह से गहरे काले रंग की होती हैं जिन पर स्पष्ट पीले

त्रिकोणीय निशान होते हैं। यह प्रजाति फाइटोटेलमाटा में प्रजनन करती है, जो पेड़ों के छिद्रों में पाए जाने वाले छोटे जलकुंड होते हैं।

Key Points:-

(i) एक समानांतर खोज में, असम में सीनेमास्पिस ब्रह्मपुत्र नामक एक नई दिनचर छिपकली प्रजाति की भी पहचान की गई। यह गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी तट पर दीर्घेश्वरी मंदिर क्षेत्र में पाई गई।

(ii) नेमास्पिस ब्रह्मपुत्र की खोज को टैप्रोबैनिका: द जर्नल ऑफ एशियन बायोडायवर्सिटी नामक पत्रिका में प्रलेखित किया गया है। यह भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थानिक सरीसृप जीवों की बढ़ती सूची में शामिल हो गया है, जो अपनी अनूठी जैव विविधता के लिए जाना जाता है।

(iii) दोनों निष्कर्ष भारत की समृद्ध पारिस्थितिक विरासत और पश्चिमी घाट तथा पूर्वोत्तर भारत जैसे जैव विविधता वाले हॉटस्पॉट में वन पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के महत्व पर ज़ोर देते हैं। ये खोजें चल रहे शोध प्रयासों और अनदेखी प्रजातियों को सही ढंग से वर्गीकृत करने के लिए वर्गीकरण संबंधी अध्ययनों की आवश्यकता पर प्रकाश डालती हैं।

Static GK

Assam:	मुख्यमंत्री (CM) : हिमंत बिस्वा सरमा	राज्यपाल : लक्ष्मण प्रसाद आचार्य
NITI Aayog	स्थापना : 2015	मुख्यालय: नई दिल्ली
DRDO	अध्यक्ष: डॉ. समीर वेंकटपति काम	मुख्यालय: नई दिल्ली
Bureau of Energy Efficiency (BEE)	महानिदेशक (DG) आकाश त्रिपाठी	मुख्यालय: नई दिल्ली
SEBI	अध्यक्ष: तुहिन कांता पांडे	मुख्यालय: मुंबई
MoC&I	मंत्री: श्री पीयूष गोयल	मुख्यालय: नई दिल्ली